> *Hindu religion is in danger not because of conversion but because of its so-called protectors*
>
> - BJP MP Udit Raj

Jan Aushadhi store to benefit poor from remote Haryana areas: SRM University Chancellor

OUR CORRESPONDENT

SRM University Founder-Chancellor Dr Paari Vendhar and Founder-VC Dr S Rajarajan at the Academic Orientation Programme PIC/NAVEEN SHARMA

SONEPAT: The Academic Orientation Programme and inauguration of Pradhan Mantri 'Jan Aushadhi' Medical Store was celebrated at SRM University Delhi-NCR (Sonepat), where hundreds of newly-enrolled students participated with great zeal and enthusiasm.

"The PRIMSR Hospital, which is already offering free treatment to hundreds of patients every day, will benefit tens of hundreds of poor and destitute from the remote areas of Haryana to get medicine at an affordable price," the Founder Chancellor of SRM University, Dr Paari Vendhar, said after inaugurating the medical store.

After the invocation, Dr GJ Samathanam, the Director of Research and students' advisor of the University, praised the students for choosing SRM University Delhi-NCR.

Dr Paari Vendhar said that the SRM Universities at Chennai, Sonepat and Gangdok, were imparting 66000 students, who represent different countries and their diverse culture. Prof S Rajarajan, the Founder Vice-Chancellor, SRM University Delhi-NCR, exhorted that today is a red-letter day in the history of this university as SRM is meant for higher education and research, and aimed at making a world class university with all latest infrastructure and research facilities. He also thanked, both Central and state governments, for the generously granting permission to run the hospital and the medical store for the betterment of the people.

मेहनत से ही सफलता मिलती

हरिभूमि न्यूज. राई

राजीव गान्धी एजुकेशन सिटी स्थित एस आर एम विश्वविद्यालय के सभागार में शनिवार को चौथे शैक्षणिक आरिन्टेशन कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति डा. टीआर. पारी वेन्धर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में

- **एसआरएम विवि में चौथे शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ**

भारत सरकार के औषध विभाग के संयुक्त सचिव सुधाँष पन्त ने शिरकत की। अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रोफेसर डा. एस. राजाराजन ने की। शुभारम्भ द्वीप प्रज्वलन व सरस्वती वन्दना से हुआ। संस्थापक कुलाधिपति डा. टीआर पारीवेन्धर ने शैक्षणिक आरिन्टेशन कार्यक्रम का उद्घाट्न करते हुए विवि की आगामी विस्तार योजना व इतिहास पर कहा कि यहां चार विश्वविद्यालयो में 66 हजार छात्र-छात्राए पढ़ती हैं। हाल ही के अमरावती में विवि स्थापित करने के लिए आन्ध्रप्रदेश सरकार ने 200 एकड़ भूमि प्रदान की है। मुख्यअतिथि सुधांष पन्त ने अपने अत्यन्त अनुभव सम्पन्न व प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि हमे अपने दिल दिमाग के अनुसार काम करना चाहिए। कहा कि मेहनत करने से ही जीवन में सफलता और तरक्की इंसान के कदम चूमती है।

राई। संस्थापक कुलाधिपति डा. टी. आर. पारी वेन्धर व मुख्य अतिथि भारत सरकार के औषध विभाग के संयुक्त सचिव सुधाँष पन्त नए सत्र का शुभारम्भ करते।

अब अमरावती में खुलेगा एसआरएम विवि

एजूकेशन सिटी के विवि सभागार में चौथे शैक्षणिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन

जन औषध चिकित्सा केंद्र का भी उद्घाटन, बहुत सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगी दवाएं

एसआरएम विवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्रवृत्ति प्रदान करते कुलाधिपति, साथ में कुलपति एवं अतिथिगण।

अमर उजाला ब्यूरो

सोनीपत। 4 विश्वविद्यालयों में 66 हजार छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। हाल ही में अमरावती में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए आंध्रप्रदेश सरकार ने 200 एकड़ भूमि दी है। इस वर्ष लगभग 7000 छात्र-छात्राओं को एक ही दिन में कंपनियों ने प्लेसमेंट दिया है। यह जानकारी राजीव गांधी एजूकेशन सिटी स्थित एसआरएम विश्वविद्यालय संस्थापक कुलाधिपति डॉ. टीआर पारीवेंधर ने दी। वह आज विवि के चौथे शैक्षणिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन कर रहे थे। इस दौरान पीआर इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंस और रिसर्च में स्थापित जन औषध चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन भी किया गया। जहां भारत सरकार द्वारा स्वीकृत औषधियां बहुत सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगी। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के औषधि विभाग के संयुक्त सचिव सुधांश पंत को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर डॉ. एस राजाराजन ने की। शोध निदेशक और छात्र सलाहकार डा. जीजे समाथानम ने सभी स्वागत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुधांश पंत ने कहा कि हमें अपने दिलो-दिमाग के अनुसार काम करना चाहिए और उसके अनुसार कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. डॉ. एस राजाराजन ने विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण दिया। इस अवसर पर अनेक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्तियां भी दी गईं। अंत में विवि के रजिस्ट्रार डा. मनीष भल्ला ने सभी के प्रति आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

उद्घाटन | छात्रों को वितरित की छात्रवृतियां

एसआरएम का नया शिक्षा सत्र शुरू

सोनीपत (सच कहूँ न्यूज)।

राजीव गांधी एजुकेशन सिटी स्थित एसआरएम विवि के, चौथे शैक्षणिक आरिन्टेशन प्रोग्राम किया गया। जिस का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर विवि के संस्थापक कुलाधिपति डॉ. टीआर पारी वेन्धर ने किया। केन्द्रीय औषध विभाग में संयुक्त सचिव सुधांष पन्त आईएएस ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। जबकि समारोह की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. डॉ. एस. राजाराजन ने की। अतिथियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न व शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। शोध निदेशक एवं छात्र सलाहकार डॉ. जीजे समाथानम ने अतिथियों, अभिभावकों व नवागन्तुक विध्यार्थियों शिक्षकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एसआरएम विवि का यह चतुर्थ शिक्षा सत्र है। नागालैंड, गुजरात, जेएंडके, केरल, आन्ध्रप्रदेश आदि कई राज्यों के उन छात्र व छात्राओं ने, जिन्होंने ला. इन्जीनियरिंग, प्रबन्धन, मानविकी वाणिज्य, विज्ञान के पीएचडी में प्रवेश लिया है। विषेशज्ञों ने उनका मार्गदर्शन किया। विवि के संस्थापक कुलाधिपति डॉ. टीआर पारीवेंधर ने उद्घाटन करते हुए कहा कि, उनके 4 विश्वविद्यालों में 66 हजार छात्र-छात्राए पढ़ती हैं। अमरावती में विवि स्थापित करने के लिए आन्ध्रप्रदेश सरकार ने 200 एकड़ भूमि दी है। इस वर्ष 7 हजार छात्र-छात्राओ को विभिन्न कंपनियों ने प्लेसमेन्ट दी है। उन्होंने प्रधान मंत्री जनधन योजना के तहत इस विवि में पीआर इंस्टिट्यूट फार मैडिकल साइंस व रिसर्च में स्थापित, दवाइयां चिकित्सा केन्द्र का उद्घाटन किया। केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत दवाइयां काफी सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगी। अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. डा. एस राजाराजन ने संस्थान का ब्योरा प्रस्तुत किरते हुए कहाकि विश्व के कई विश्वविधालयों से इसका एमओयू. है। जिससे छात्र आपस में शिक्षा का आदान-प्रदान सम्भव है। प्रदेश सरकार की नीति अनुसार छात्रों को छात्रवृति व शुल्क में छूट दी गई है। अनेक छात्र-छात्राओं को करोड़ों की छात्रवृतियां वितरित दी गई।

राई स्थित एसआरएम विवि में कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यातिथि।

एस.आर.एम. वि.वि. में चौथा शैक्षणिक सत्र शुरू

एस.आर.एम. वि.वि. में छात्रवृत्ति प्रदान करते मुख्यातिथि व अन्य। (संजय)

राई, 30 जुलाई (का.प्र.): राजीव गांधी एजुकेशन सिटी के एस.आर.एम. विश्वविद्यालय के सभागार में शनिवार को चौथे शैक्षणिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्‌घाटन विवि के संस्थापक कुलाधिपति डा. टी.आर. पारी वेंधर ने किया। मुख्यातिथि के रूप में भारत सरकार के औषध विभाग के संयुक्त सचिव सुधांश पंत आई.ए.एस. मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर डा. एस. राजाराजन ने की।

शोध निदेशक व छात्र सलाहकार डा. जी.जे. समाथानम ने बताया कि एस.आर.एम. विश्वविद्यालय का चतुर्थ शिक्षा सत्र शुरू हो रहा है। नागालैंड, गुजरात, जम्मू, केरल, आंध्र-प्रदेश सहित भारत के अनेक राज्यों के हजारों विद्यार्थी वि.वि. में शिक्षा ले रहे हैं। उन्होंने लॉ-इंजीनियरिंग, प्रबंधन, मानविकी वाणिज्य, विज्ञान के पी.एच.डी. तक के पाठ्यक्रम विवि में हैं। एस.आर.एम. विवि के संस्थापक कुलाधिपति डा. टी.आर. पारीवेंधर ने बताया कि इस वर्ष लगभग 7,00 छात्र-छात्राओं को एक ही दिन में विश्वप्रसिद्ध कम्पनियों ने प्लेसमैंट दी है। सुधांश पंत ने कहा कि हमें अपने दिल दिमाग के अनुसार काम करना चाहिए और उसके अनुसार कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए। फिर यदि असफलता मिलती है तो कोई बात नहीं। फिर से कठोर परिश्रम करके मंजिल हासिल की जा सकती है। इससे पूर्व मुख्यातिथि सुधांश पंत ने प्रधानमंत्री द्वारा संचालित जनधन योजना के अंतर्गत एस.आर.एम. विश्वविद्यालय स्थित पी.आर. इंस्टीच्यूट्स फॉर मैडीकल साइंस व रिसर्च में स्थापित जन औषध चिकित्सा केंद्र का उद्‌घाटन भी किया।

कुलपति प्रो. डा. एस. राजाराजन ने विश्वविद्यालय मे संचालित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अनेक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्तियां भी वितरित की गईं।

एस.आर.एम विश्वविद्यालय के चतुर्थ शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन

सोनीपत (योगेश सूद) : राजीव गान्धी एजुकेशन सिटी स्थित एस.आर.एम. विश्वविद्यालय के सभागार में आज चौथे शैक्षणिक आरिन्टेशन प्रोग्राम का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। इसका उद्घाटन एस. आर. एम. विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति डा. टी.आर. पारी वेन्धर ने किया। मुख्यातिथि के रूप में भारत सरकार के औशध विभाग के संयुक्त सचिव सुधांश पन्त आई.ए.एस को आमंत्रित किया गया।

उपस्थितगण को संबोधित करते सुधांश पंत।